सच के करीब सबसे पहले

मखौड़ा संदेश

हिन्दी दैनिक

बस्ती (उ0प्र0)
19 जून, 2022
रविवार
वर्ष-2, अंक-203
मूल्य : 2 रूपया
पृष्ठ - 4

एक नजर

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। थाना नगर पुलिस टीम द्वारा शनिवार को मु0अ0सं0 115/2022,धारा 147/148/323/504/506/307 IPC से सम्बन्धित अभियुक्त हैदर अली पुत्र इस्माइल साकिन फूलवरिया पाण्यडे थाना नगर जनपद बस्ती को राजकोट तिराहा से गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया ।

एससी एसटी का आरोपी गिरफ्तार

मखौड़ा संदेश तहसील प्रभारी हर्रैया।

हर्रैया। थाना हरैया पुलिस द्वारा स्थानीय थाने में दर्ज मु0अ0सं0 962/17 धारा 323 IPC व 3(1) द एससी एसटी से संबंधित आरोपी सोनू पुत्र खुशीराम निवासी तेंदुआ थाना हरैया को हिरासत में लिया गया तथा आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए न्यायालय रवाना किया गया।

योग दिवस कार्यक्रम के बारे में डीएम ने दी जानकारी

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती । अष्टम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनॉक 21 जून को प्रातः 5.30 बजे से शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने दी है। उन्होने बताया कि मुख्य अतिथि का स्वागत प्रातः 6.00 बजे तथा मा. मुख्य अतिथि द्वारा भगवान धन्वन्तरि का माल्यार्पण 6.10 बजे किया जायेंगा। उन्होने बताया कि स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम प्रातः 6.20 बजे, मा. मुख्य अतिथि द्वारा आशीर्वाद वचन प्रातः 6.30 बजे किया जायेंगा। मुख्य योग प्रशिक्षक डा. प्रवेश कुमार एवं दीपिका पाण्डेय द्वारा प्रातः 7.00 बजे से 7.45 बजे तक योगाभ्यास तथा मा. मुख्य अतिथि द्वारा संकल्प प्रातः 7.46 बजे से होंगा।

यूनीक आईडेंटिटी कार्ड के लिए दिव्यांगजन करें आवेदन

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती । जनपद के समस्त दिव्यांगजन जिनका यूनीक कार्ड अभी तक नहीं बना है, वे तत्काल अपना कार्ड बनवाने हेतु वेबसाइट आनलाइन आवेदन कर दें। उक्त जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अनूप कुमार सिंह ने दी है। उन्होने बताया है कि आनलाइन हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेजों मे दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो, मोबाईल नम्बर एवं स्वहस्ताक्षर जरूरी है।

उन्होने बताया है कि उक्त दस्तावेजों के साथ दिव्यांगजन अपने नजदीकी सहज जन सेवा केन्द्र पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं या दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय बस्ती मे किसी भी कार्य दिवस में जमा कर सकते हैं। जो दिव्यांगजन अपना न्क्प्क् कार्ड नहीं बनवाएगे तो उन्हें भविष्य मे सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधा मे कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

तेजी से उभरता हुआ हिन्दी दैनिक मखौड़ा संदेश अखबार से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें।

सम्पादक
विकास पाण्डेय
9026880094 / 9918167159

बिहार में अग्निपथ योजना के खिलाफ राज्यव्यापी बंद, विरोध-प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी

कई वाहनों को लगायी आग,कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद

पटना (एजेंसी)। बिहार के कई हिस्सों में लगातार चौथे दिन भी अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को जहानाबाद जिले में तेहटा पुलिस चौकी परिसर के अंदर खड़े एक ट्रक और एक बस समेत कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। वामपंथी अखिल भारतीय छात्र संघ (आईसा) के नेतृत्व में छात्र संगठनों द्वारा आहूत राज्यव्यापी बंद के मद्देनजर गया, बक्सर, जहानाबाद सहित राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में शनिवार को सड़क परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं और आपात सेवाओं को छोड़कर अधिकांश दुकानें व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद), प्रदेश में सत्ता में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने बिहार बंद को अपना समर्थन दिया है। उधर, रेलवे ने नुकसान की आशंका को देखते हुए कई ट्रेन या तो रद्द कर दीं या फिर उनका परिचालन रोक दिया। इस बीच, बिहार सरकार ने शुक्रवार को अग्निपथ योजना के मुद्दे पर राज्यभर में हुई व्यापक हिंसा की पृष्ठभूमि में 12 जिलों में 19 जून तक इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, कैमूर, भोजपुर, औरंगाबाद, रोहतास, बक्सर, नवादा, पश्चिमी चंपारण, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली और सारण जिले में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। अधिकारियों ने राज्य के कई जिलों में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "सशस्त्र बलों के लिए केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ बिहार में जारी विरोध–प्रदर्शन को देखते हुए राज्य के कुछ जिलों में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई है। जहानाबाद जिले में शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे तेहटा पुलिस चौकी के पास बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हो गए और सुरक्षाकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, बाद में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस चौकी के अंदर खड़े एक ट्रक और एक बस सहित कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स की भर्ती में 'अग्निवीरोंश के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की है। गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ और असम राइफल्स में 'अग्निवीरों' की भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा में तीन साल की छूट देने का भी फैसला किया है।

राजस्व विभाग की सर्वाधिक शिकायत मिलने पर डीएम ने जताया असंतोष

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। सम्पूर्ण समाधान दिवस रूधौली में सर्वाधिक शिकायते राजस्व विभाग की प्राप्त होने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने असंतोष व्यक्त किया है। उन्होने निर्देश दिया है कि कानूनगो एवं लेखपाल के हल्कावार शिकायतों को सूचीबद्ध किया जाय। सर्वाधिक शिकायत जिस हल्के से आयेगी, वहॉ के कानूनगो एवं लेखपाल की जिम्मेदारी तय की जायेंगी। उन्होने कहा कि आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र काफी संख्या में डिफाल्टर है। इसको भी प्राथमिकता पर निस्तारित करने की आवश्यकता है। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का सही समाधान करें। गलत शिकायतों की तद्नुसार रिपोर्ट लगाये। उन्होने समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर बल दिया। उन्होने कहा कि बरसात का समय आने वाला है। डीपीआरओ ग्रामीण क्षेत्र में तथा ईओ नगरीय क्षेत्र में सुनिश्चित करे कि कही भी जल भराव की स्थिति न हो, नियमित रूप से साफ–सफाई होती रहें। मच्छररोधी एंटीलार्वा का छिड़काव भी किया जाय। जहॉ नालिया है, वहॉ पूरी तरह से साफ–सफाई रखा जाय।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 155 शिकायते प्राप्त हुयी, जिसमें से 28 का मौके पर निस्तारण किया गया। अवशेष 127 शिकायतों को विभागीय अधिकारियों को 10 दिन के भीतर निस्तारण हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है। राजस्व विभाग की 89 शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें से 25 का मौके पर निस्तारण किया गया। पुलिस का 13, विकास विभाग का 14, विद्युत के 11, नगर पंचायत के 5, आपूर्ति के 6, कृषि एंव समाज कल्याण के 2–2 तथा अन्य विभाग के 1–1 शिकायतें प्राप्त हुयी।तहसील समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव, सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति, सीएमओ डा. चन्द्रशेखर तथा उप जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा उसके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर पीडी कमलेश सोनी, बीडीओ, तहसीलदार प्रमोद कुमार, डीआईओएस डी.एस. यादव, बीएसए जगदीश शुक्ल, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, सत्यवीर सिंह, एस.एस. सिंह तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिले में 31 जुलाई तक धारा 144 का प्रतिबंध लागू

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने पूरे जनपद में जनहित में तत्काल प्रभाव से 31 जुलाई 2022 तक धारा 144 का प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिया है। इस संबंध में उन्होने बताया कि कानपुर में जुमा की नमाज के दौरान घटित हिंसात्मक घटना एवं 6 जुलाई 2022 को प्रस्तावित बी.एड. की प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम के दृष्टिगत जनपद में शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य यह प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया गया है।

उन्होने कहा कि किसी भी सार्वजनिक स्थल पर 05 या 05 से अधिक व्यक्तियों का समूह एकत्रित नही होंगा। कोई भी व्यक्ति ऐसे व्यक्तियों के समूह के साथ सम्मिलित नही होगा, जिसका उद्देश्य किसी विधि विरूद्ध गतिविधि में भाग लेना हो। कोई भी सभा करने से पूर्व संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी होंगी।

उन्होने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का प्रतिबन्धित/अवैध अस्त्र–शस्त्र जैसे आग्नेयास्त्र, बन्दूक, पिस्टल, राइफल, रिवाल्वर, तलवार, कटार, गुप्ती, चाकू, लाठी, स्टिक, भाला, बरछा, फरसा, गड़ासा एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ जैसे हथगोला, बारूद, तेजाब आदि लेकर नही चलेंगा। उन्होने कहा कि लाइसेंसी शस्त्र धारको को खुलेआम शस्त्र लेकर चलने पर प्रतिबन्धित किया गया है। कोई भी व्यक्ति किसी भी माध्यम से अफवाह नही पैदा करेंगा और ना ही अफवाहों को फैलायेंगा। कोई भी सार्वजनिक स्थलों अपने भवनों अथवा छतों पर कंकड़, पत्थर, खाली बोतल का संग्रह नही करेंगा।

उन्होने बताया कि परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों एवं परीक्षको तथा परीक्षा संचालन से संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति प्रवेश नही करेंगा। कोई भी व्यक्ति अनुचित मुद्रण अथवा प्रकाशन द्वारा परीक्षार्थियों को गुमराह नही करेंगा। परीक्षा केन्द्रों के आस–पास ध्वनि विस्तारण यंत्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित है।

उन्होने कहा कि राजनैतिक दलोंधार्मिक संगठनों तथा समस्त विभागों के समस्त सरकारी सेवको तथा मान्यता प्राप्त संघ/महासंघ/परिसंघ को धरना, सांकेतिक प्रदर्शन अथवा हड़ताल का आयोजन पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेंगा, जिससे किसी जाति विशेष अथवा धर्म विशेष व्यक्तियो को आघात पहॅुचे तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था कुप्रभावित हो। इसका उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा–188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

उन्होने बताया है कि यह आदेश ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियोंध्कर्मचारियों, सिक्ख समुदाय के धार्मिक हथियार के रूप में कृपाण धारण करने, बूढेधदिव्यांग के छड़ीधलाठी का प्रयोग करने, शव यात्रा, वैवाहिक कार्यक्रम करने वाले लोगो पर लागू नही होंगा किन्तु ध्वनि विस्तारक यत्रों के प्रयोग के लिए पूर्व अनुमति लेनी होंगी।

डीएम ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन मेले का फीता काटकर किया उद्घाटन

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने ब्लाक रूधौली में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव तथा सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति भी उपस्थित रहें। मेले में लक्ष्मी महिला समूह द्वारा फर्स एंव ट्वायलट क्लीनर, आस्था समूह द्वारा अचार, सिरका, फूलबत्ती, संतोषी समूह द्वारा चिप्स, पापड़, चकली, गणेश स्वयं सहायता समूह द्वारा मेथौरी, मसाला, गुलाब समूह द्वारा चावल का आटा, अम्बेडकर समूह द्वारा दोना, पत्तल, गिलास, चम्मच, सत्तू, बेसन, मॉ दुर्गा समूह द्वारा साबुन, धूपबत्ती स्टाल पर प्रदर्शनी लगायी गयी थी।

उपायुक्त एन.आर.एल.एम रामदुलार ने सभी समूहों के अध्यक्ष एवं सदस्यों का परिचय कराते हुए समूह द्वारा प्राप्त हो रही आय व्यय की जानकारी भी दिया। इस अवसर पर पीडी कमलेश सोनी, डीडीओ अजीत श्रीवास्तव, बीडीओ, ब्लाक प्रबन्धक रामशंकर यादव, हर्षिता चौधरी, अजीत तथा समूह की महिलाए किसलावती, बिन्दुमती, शोभा, अनीता, आशा, आशा चौधरी, रिमा सिंह, नीलम चौधरी, सुमन आदि उपस्थित रहें।

इस अवसर पर महिला विकास एवं बाल पुष्टाहार विभाग द्वारा भी स्टाल लगाया गया था, जिस पर पौष्टिक आहार प्रदर्शित किए गये थे। यहॉ पर जिलाधिकारी ने एक छोटे बच्चें का अन्नप्रसन भी किया। इस अवसर पर सीडीपीओ तथा आगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही।

प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को हड्डी एवं जोड़ रोगी करायें इलाज

मखौड़ा संदेश परशुरामपुर संवाददाता।

परशुरामपुर। परशुरामपुर स्थित बाबू दुर्गा चौरिटेबल हास्पिटल पर बुधवार से प्रत्येक बुधवार एवम् रविवार को जाने माने हड्डी एवम जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ बी. कुमार किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ उपस्थित रहेंगे।जिन्हें हड्डी से सम्बंधित कोई समस्या हो तो डॉक्टर साहब से प्रत्येक सप्ताह रविवार एवम बुधवार को परामर्श ले सकते है ।

एडीएम व एएसपी नेट कोचिंग संचालकों के साथ की बैठक

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी अभय कुमार मिश्र तथा अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्रनाथ चौधरी ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के कोचिंग संचालको के साथ बैठक किया। अपने सम्बोधन में एडीएम ने कहा कि अग्निपथ योजना युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण में सहायक है। सभी अध्यापकगण अपने संस्थानों में युवाओं को प्रेरित करे, जिससे जिले में अमन–चौन व शान्ति का माहौल स्थापित हो। कोई भी युवा आक्रोश में आकर कानूनध्प्रशासन के विरूद्ध अवैध गतिविधियों में न संलिप्त हो। अराजकतत्वों द्वारा युवाओं को भ्रमित कर समाजविरोधी गतिविधियों में शामिल कर लिया जाता है लेकिन ऐसे कृत्य से युवाओं का भविष्य हमेंशा के लिए खराब हो जाता हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने कहा कि शिक्षकबन्धु विद्यार्थियों को पढाते समय कानून और संवैधानिक अधिकारोंध्कर्तव्यों के प्रति भी उन्हें प्रेरित करते रहे, जिससे सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द कायम रहें। बस्ती जनपद शान्तिप्रिय है, शिक्षकगण बुद्धजीवी वर्ग है, आपसभी के प्रयास से कानून के अनुपालन में प्रशासन को काफी सफलता मिलेगी। उन्होने कहा कि यदि अराजकतत्वों के विषय में कोई सूचना मिलती है, तो सीधे मुझे सूचना दे सकते है। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डी.एस. यादव, कोतवाल संजय कुमार, बृजेन्द्रनाथ मिश्र, कोचिंग संचालक अरविन्द दूबे, जी रहमान, रवि गुप्ता, राजेश वर्मा, शिव श्रीवास्तव, एम.सी. चौधरी, आशीष श्रीवास्तव, आनन्द उपाध्याय, विवेक श्रीवास्तव उपस्थित रहें।

अग्निवीर योजना को लेकर डीएम व एसपी ने टोल प्लाजा का किया निरीक्षण

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन तथा पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने अग्निवीर योजना के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए टोल प्लाजा का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर उपलब्ध सीसी टीबी फुटेज भी देखा। उन्होंने सड़क के किनारे खड़े ट्रकों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी दशा में सड़क के किनारे ट्रक खड़े नहीं रहना चाहिए, दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने टोल प्लाजा के आस–पास पर्याप्त सफाई कराने का भी निर्देश दिया है।

अयोध्या धाम में पर्यटन नीति के अंतर्गत द रामायण होटल का शुभारम्भ

मखौड़ा संदेश अयोध्या संवाददाता।

अयोध्या। धाम को एक लग्जरी होटल की सौगात आज मिल गई है। पर्यटन नीति के तहत करीब 15 करोड़ की लागत से बने इस होटल का नाम द रामायण रखा गया है। द रामायण होटल का शनिवार को विधि विधान से पूजा अर्चन के साथ शुभारंभ हो गया। नेशनल हाईवे बूथ नंबर 4 के पास बने द रामायण होटल में कुल 56 कमरे हैं और वातानुकूलित हैं। इस मौके पर होटल की डायरेक्टर डॉक्टर ममता पाण्डेय ने बताया कि होटल का शिलान्यास 2018 में पर्यटन नीति के तहत हुआ था इसके निर्माण में 15% सब्सिडी मिली है। होटल में 56 कमरे हैं उनमें 14 लग्जरी, 22 सुपर डीलक्स तथा अन्य डीलक्स कमरे हैं। होटल में सेंट्रल एसी हॉल की सुविधा के साथ साथ बाथरूम से लेकर रेस्टोरेंट्स तक फ्रेश एयर की सुविधा दी गई है। गौरतलब है कि होटल बनाने वाले अंशा ग्रुप द्वारा इस होटल का निर्माण किया गया है। नवनिर्मित द रामायण होटल के उद्घाटन अवसर पर जनपद बस्ती के सांसद हरीश द्विवेदी, संयुक्त शिक्षा निदेशक अरविंद पाण्डेय, परशुरामपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि हरिद्वार मिश्रा, भाजपा वरिष्ठ नेता अनंत कृष्ण उपाध्याय, संजय उपाध्याय, किसान इंटर कॉलेज परसरामपुर के प्रधानाचार्य बृजेश पासवान, बस्ती भाजपा जिला अध्यक्ष महेश शुक्ला, श्री राम वल्लभा कुंज के उत्तराधिकारी स्वामी राजकुमार दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास के अलावा वरिष्ठ भाजपा नेता डीपुल पाण्डेय के अलावा अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाल विकास परियोजना के अंतर्गत कार्यकत्रियों को मिला ड्रेस

मखौड़ा संदेश परशुरामपुर संवाददाता।

परशुरामपुर। विकासखंड परिसर में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं को ड्रेस वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरिद्वार मिश्र , विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी विवेक कुमार तिवारी के अलावा वरिष्ठ कार्यकर्ता अनंत कृष्ण पांडेय , संजय उपाध्याय , बुध सागर पाठक , वैभव वर्मा , सीडीपीओ सरिता वर्मा , सुपरवाइजर प्रियंका सिंह , शिल्पी यादव हिमांशु श्रीवास्तव , अभिशेष मिश्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सैन्य नीति में प्रयोग

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या रही है, और लगभग सभी सरकारों को इस मुद्दे पर युवाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा है। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार ने बेरोजगारी के मुद्दे पर अनूठी राह ही पकड़ी। आठ साल पहले भाजपा ने वादा किया था कि देश में हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाएगा। ये वादा न कभी पूरा हुआ, न सरकार की ओर से कोई ऐसी कोशिश नजर आई कि देश में रोजगार के मौके बनाए जा रहे हैं। बल्कि एक–एक कर के कई सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में सौंपा गया, जिससे रोजगार के अवसर खत्म होते गए। नोटबंदी और लॉकडाउन के फैसलों से लाखों नौकरियों पर असर पड़ा, असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए। पिछले आठ सालों में बेरोजगारी दर 45 साल का रिकार्ड तोड़ती नजर आई। बीच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बयान दिया कि अगर कोई पकौड़ा बेचता है तो वह भी रोजगार है। इसके बाद तो पकौड़ा रोजगार के कई और अनूठे उदाहरण सामने आए। लोगों को आत्मनिर्भरता का पाठ इस तरह पढ़ाया गया कि आमदनी में भी आत्मनिर्भर बनो, नौकरियों की अपेक्षा मत रखो, बल्कि खुद दूसरों को रोजगार देने वाले बनो। स्टार्ट अप और स्टैंड अप के बीच भारत का युवा डिग्रियों के साथ अच्छे दिनों की तलाश में यहां–वहां भटकता रहा। चुनाव के वक्त घोषणापत्रों में रोजगार देने का वादा एक स्थायी कॉलम की तरह चस्पां हो गया। गुजरे सालों में कई बार ऐसी तस्वीरें देखने मिली, जब सरकारी नौकरी की परीक्षा देते और परिणामों का इंतजार करते युवा व्यवस्था से बेचैन, कुंठित और आक्रोशित नजर आए। इनकी नाराजगी अगर सड़कों पर कभी निकली, तो बदले में उन्हें लाठियों का जवाब मिला। सेना में भी भर्ती के लिए लाखों नौजवान तैयारी करते रहे और इस इंतजार में रहे कि कब सरकार कोई ऐलान करेगी। अब केंद्र सरकार ने नौकरियों और सेना में भर्ती दोनों के लिए घोषणा की है। मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय से ट्वीट कर जानकारी दी गई कि अगले डेढ़ साल में 10 लाख नौकरियों का निर्देश प्रधानमंत्री ने दिया है। वैसे तो वादा हर साल 2 करोड़ रोजगार का था, अब बात एक महीने में एक लाख रोजगार की भी नहीं रही। खैर ये 10 लाख भर्तियां भी कब और कैसे होंगी और इनका अगले दो साल में होने वाले 11 विधानसभा चुनावों और 2024 के आम चुनाव पर किस तरह पड़ेगा, ये देखने वाली बात होगी। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना की भी घोषणा की। जिसके तहत साढ़े सत्रह साल से 21 साल के 45 हजार से 50 हजार युवाओं को 4 साल के लिए सेना में भर्ती किया जाएगा। सरकार के मुताबिक अगले 90 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और जुलाई 2023 तक पहला बैच तैयार हो जाएगा। इस योजना के तहत जिन युवाओं का चयन सेनाओं में होगा उन्हें अग्निवीर के नाम से जाना जाएगा और इसमें चयन ऑनलाइन केंद्रीय सिस्टम के जरिए होगा।भारतीय सेना 14 लाख जवानों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। चार–चार युद्धों का सामना कर चुके भारत के लिए एक मजबूत सैन्य तंत्र कितना जरूरी है, यह सब जानते हैं। हमारे पड़ोस में पाकिस्तान और चीन जैसे देश हैं, जिनसे सीमा विवाद एक अंतहीन समस्या की तरह चला आ रहा है। देश की रक्षा के लिए भारतीय सेना के जवान समर्पित भाव से दिन–रात डटे हुए हैं। सेना में भर्ती से लेकर उनके प्रशिक्षण तक और उनकी आकस्मिक मौत या सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पेंशन की व्यवस्था सरकार करती है। इसका अच्छा खासा भार बजट पर पड़ता है, फिर भी इसे जरूरी खर्च की तरह वहन किया जाता है। मगर अब सैन्य व्यवस्था में अस्थिरता और अनिश्चितता की तलवार लटक रही है। कई पूर्व सैन्य अधिकारी और विशेषज्ञ अग्निपथ योजना को लेकर सवाल उठा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि पचास हजार जवानों की भर्ती तो होगी लेकिन उनमें से केवल साढ़े बारह हजार जवान ही आगे सेना में नौकरी कर सकेंगे और रिटायरमेंट के बाद पेंशन पा सकेंगे। बाकी बचे साढ़े पैंतीस हजार जवान रिटायर होकर क्या करेंगे, कहां जाएंगे।

मेष :– उच्चस्तरीय लोगों का सानिध्य मनोबल को बढ़ायेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। शासन–सत्ता के क्षेत्र में सफलताएं अर्जित करेंगी। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

बृषभ :– अत्याधिक कर्जभार से मन चिंतित होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। नई महत्वाकांक्षाओं की सकारात्मकता हेतु आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। आलस्य कतई न करें।

मिथुन :– महत्वपूर्ण दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु चिंतित होंगे। नये दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। कानूनी मामलों में कुछ कठिनाइयां संभव। तामसिक विचारें पर नियंतण्ररखें।

कर्क :– नये संबंधों के साथ आपकी सहज घुलनशीलता प्रशंसनीय है। अपने कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने का प्रयत्न करें। निर्थक दूसरों की अलोचना न करें।

सिंह :– संबंधियों के भावनात्मक सहयोग से उत्साहित होंगे। किसी रचनात्मक कार्य के प्रति रुचि पैदा होगी। पुराने संबंधों के भावनात्मक स्मरण से मन ओतप्रोत होगा। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कन्या :– निजी महत्वपूर्ण दावित्वों की पूर्ति में बाधाएं आंएंगी। मानसिक अवसाद व कार्य–पेशे में अरुचि से आर्थिक संकट की आशंका बनेगी। अच्छी भावनाओं के बावजूद कटु वाणी से कटुता की आशंका है।

तुला :– आर्थिक सबलता के मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कोई अचल सम्पत्ति का तनाव मन को चिंतित करेगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– कार्य–पेशे में कुछ नई तब्दीली रुचिकर होगी। वर्तमान की स्थिति देखते हुए भविष्य की चिंता बढ़ेगी। आत्मबल में वृद्धि कर समस्याओं का समाधान करने की क्षमता प्रदान करेंगे।

धनु :– समय व स्थिति के साथ अपने स्वभाव में थोड़ा लचीलापन लावें। क्षमता से अधिक कार्यों का बोझ पड़ेगा। शिक्षा–प्रतियोतियोगिता के क्षेत्र में सफलताएं मिलेंगी। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

मकर :– महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा। नई महत्वाकांक्षी योजनाएं तो बनेंगी परन्तु समुचित व्यवस्था न होने से पूर्ति मे अवरोध होगा।

कुंभ :– पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। अच्छी सोच का लाभ प्राप्त करेंगे। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के प्रति चिंताएं समाप्त होंगी।

मीन :– सुन्दर कल्पनाएं मन पर प्रभावी होंगी किंतु अपने मन को सकारात्मका की ओर केंद्रित करें। व्यावसायिक संबंधों में अपने व्यवहार का पूर्ण लाभ उठाएंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न तीव्र होगा।

भारत को खाड़ी देशों के साथ अपने हित बचाने होंगे

डॉ.अजीत रानाडे

इस्लामिक सहयोग संगठन (आर्गनाईजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन–ओआईसी) सचिवालय ने पैगंबर मोहम्मद पर भारत की सत्तारूढ़ पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के दो प्रवक्ताओं की टिप्पणियों की निंदा और भर्त्सना की है। ओआईसी के बयान में भारत में इस्लाम के खिलाफ नफरत और अपमान की बढ़ती घटनाओं का भी जिक्र किया गया है। 1969 में स्थापित ओआईसी में 57 सदस्य देश हैं जिनमें से सभी में मुस्लिम बहुसंख्यक आबादी है। 20 करोड़ से अधिक मुसलमान होने के बावजूद भारत, इस संगठन का सदस्य नहीं है। यहां तक कि उसे पर्यवेक्षक का दर्जा भी नहीं है। इंडोनेशिया के बाद भारत ही विश्व में ऐसा देश है जहां दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है। ओआईसी के बयान को भारत सरकार ने खारिज कर दिया है और कहा है कि दो व्यक्तियों के विचार, सरकार या भारत के लोगों के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। ओआईसी के संयुक्त बयान के साथ ही ओआईसी के कई सदस्यों ने अपने–अपने देशों में भारतीय राजदूतों को तलब करते हुए अपनी निराशा व्यक्त की और मोहम्मद पैगंबर के बारे में दिए बयानों की निंदा की। भारतीय दूतावासों ने जवाब में सरकार के रुख को दोहराते हुए बचाव किया। कतर और कुवैत ने भारतीय राजदूतों को तलब किया है। ये दोनों देश छह सदस्यीय गल्फ कोऑर्डिनेशन काउंसिल (जीसीसी) का भी हिस्सा हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जीसीसी के दो अन्य सदस्यों– बहरीन और ओमान ने भाजपा के दोनों प्रवक्ताओं के खिलाफ सरकार और पार्टी द्वारा उठाए गए उपायों की सार्वजनिक रूप से सराहना की। इन दोनों देशों की कार्रवाइयों से कम से कम यह पता चलता है कि जीसीसी या वास्तव में ओआईसी के सभी सदस्यों में भारत को राजनयिक रूप से घेरने के लिए आम सहमति नहीं हैं। इसमें कोई शक नहीं कि इस घटना से सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है और इसीलिए दोनों प्रवक्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। केवल ओआईसी के कारण ही नहीं बल्कि अमेरिका सहित अन्य देशों की टिप्पणियों ने भी भारत को बैकफुट पर ला दिया था। अंतरराष्ट्रीय हंगामे के बीच देश में विरोध, हिंसा और पुलिस कार्रवाई की लहर है जो कभी–कभी काफी क्रूर होती है और सिरदर्द व शर्मिंदगी का स्रोत बन जाती है। भाषण की स्वतंत्रता, चयनात्मक आक्रोश, ईश निंदा और बहुसंख्यकवादी राजनीति के मुद्दों पर देश दो (या शायद तीन) शिविरों में कट्टरता के साथ बंटा और उलझा हुआ है। विषय पर संवाद और बारीकियों के लिए रिक्त स्थान तेजी से सिकुड़ रहा है। भले ही ये शब्द अब निराशाजनक रूप से आदर्शवादी लगें लेकिन यह सामाजिक एकता, सद्भाव और सामंजस्य के लिए अच्छे संकेत नहीं देता है। लोकतंत्र और कुछ भी नहीं बल्कि एक निरंतर संवाद तथा राजकीय सत्ता और उसके बंटवारे की बातचीत है। फिर भी उस वार्तालाप के दौरान कुछ लिखित और अलिखित मानदंडों का सम्मान करना चाहिए और बातचीत हमेशा सभ्य, अहिंसक, संविधानवाद का सम्मान करते हुए होनी चाहिए। एक या दूसरी युद्धरत पार्टी संवाद के स्तर को कम करने और शबातचीत के स्तरश को गिराने के लिए दूसरे को दोषी ठहरा सकती है। शशुरूआत आपने कीश, के लिए जिसे भी दोषी ठहराया जाए किन्तु समाज के लिए इसका परिणाम यह है कि यह हर किसी को बदतर बना देता है।

ओआईसी और जीसीसी के राजनयिक आक्रोश का एक और निहितार्थ है जिसका भारत को आकलन करना चाहिए। भू–राजनीति में नैतिकता का मुद्दा विवादग्रस्त है और इसे हल नहीं किया जा सकता है पर भारत के निजी हितों का मुद्दा बहुत प्रासंगिक है। यह राजनयिक अच्छाइयों को देखने का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है। भारत कूटनीतिक रूप से अलग–थलग पड़ने का खतरा नहीं उठा सकता क्योंकि इसके वास्तविक आर्थिक निहितार्थ होंगे। ऐसे समय में जब भारत को चीन की चुनौती का सामना करना है और चीन पर अपनी आयात निर्भरता को कम करना है, भारत के लिए गठबंधन के विकल्प खुले रखना बहुत जरूरी है। यह भू–आर्थिक और भू–राजनीतिक दोनों कारणों से है। इसके अतिरिक्त जीसीसी देशों के साथ संबंध के कई आयाम हैं। पहला व्यापार निर्भरता का है। 2020–21 के बाद से केवल एक वर्ष में जीसीसी देशों के साथ भारत का व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और वर्तमान में यह 155 बिलियन डॉलर है। जीसीसी देशों के साथ भारत के निर्यात का हिस्सा अब 10 प्रतिशत से ऊपर है तथा इसे और बढ़ाने की जरूरत है। भारत को अपने विकास के लिए वैश्विक निर्यात बाजारों तक पहुंच की आवश्यकता है तथा खाद्य, कृषि–प्रसंस्करित उत्पाद, कपड़ा और चमड़े जैसे श्रम आधारित उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स आदि सभी क्षेत्रों के लिए जीसीसी एक महत्वपूर्ण गंतव्य है। जीसीसी से भारत का आयात भी महत्वपूर्ण है और यह एक वर्ष में 86 प्रतिशत बढ़ गया है। आयात में ऊर्जा जैसा महत्वपूर्ण घटक शामिल है। रिलायंस और एस्सार जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा पश्चिम एशिया से किया जाने वाला तेल आयात न केवल भारत की अपनी खपत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरी है बल्कि भारत के डीजल व पेट्रोल के विशाल निर्यात के लिए फीडस्टॉक के रूप में भी आवश्यक है। डॉलर के संदर्भ में भारत का पेट्रो उत्पाद निर्यात सभी विनिर्माण निर्यातों का लगभग पांचवां हिस्सा है। जीसीसी देश सॉफ्टवेयर और अन्य सेवाओं के निर्यात के लिए भी एक महत्वपूर्ण गंतव्य हैं। इस साल मई में भारत ने जीसीसी के एक सदस्य यूनाईटेड अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और अगले कुछ वर्षों में अकेले यूएई के साथ व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। इसलिए एक मजबूत व्यापार और वाणिज्य संबंध किसी भी अजीब राजनयिक मसले को हटाने के लिए कहता है। जीसीसी के संबंध में दूसरा आयाम प्रवासी भारतीयों की उपस्थिति है। अकेले संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय मूल के लोगों की आबादी लगभग 40 प्रतिशत है और इनमें से एक बड़ा हिस्सा भारतीय मुसलमानों का है। अन्य जीसीसी देशों में भारतीयों का अनुपात भी काफी अधिक है। उनके द्वारा भेजा गया धन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक बड़ा स्रोत है। लगभग 90 बिलियन डॉलर के विप्रेषित धन के साथ भारत दुनिया का नंबर एक प्राप्तकर्ता देश है। यदि प्रवासी भारतीयों की श्रृंखला को पोषित और बढ़ाया जाता है तो यह आय आसानी से 200 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। कुछ मायनों में देश में आ रहा धन भारत के श्रम शनिर्यातश का प्रतिनिधित्व करता है जो हमारा सबसे प्रचुर संसाधन है। यह सॉफ्टवेयर शदिमागश का ही नहीं बल्कि शारीरिक परिश्रम करने वाले श्रमिकों का भी निर्यात है। दरअसल, प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया धन, सॉफ्टवेयर निर्यात से होने वाली कमाई से आसानी से मेल खा सकता है। जीसीसी देश शारीरिक परिश्रम करने वाले श्रमिकों के एक बड़े हिस्से की मेजबानी करते हैं जिसमें भारतीय मूल के लोगों की प्रमुखता है। व्यापार के इन दो आयामों और प्रवासी लिंकेज से परे एक तीसरा कारक सांस्कृतिक संबंध हो सकता है। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान जैसे देशों से हमारे बहुत पुराने संबंधों के कारण वे भारत के लिए स्वाभाविक सहयोगी हो सकते हैं। इस संबंध व गठबंधन के भारत के लिए भी भू–रणनीतिक लाभ हैं क्योंकि हम मध्य एशिया के लिए भूमि कड़ियों और ऊर्जा पाइपलाइनों की संभावनाओं का पता लगाते हैं। इसलिए यदि अधिक आधारभूत कारणों से नहीं तो केवल इन महत्वपूर्ण कारणों से भारत को जीसीसी देशों के साथ मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंधों की आवश्यकता है, चाहे वे राजनयिक हों अथवा आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक। इनमें से कुछ तर्क ओआईसी के सदस्यों के साथ संबंधों के लिए भी लागू हैं।

विरांगना लक्ष्मी बाई

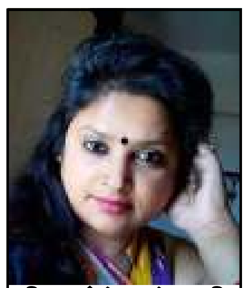
शीतल शैलेन्द्र 'देवयानी'
इन्दौर

जय जय गणेश विपदा हरो,
जीवन के क्लेश,कष्ट कम करो,
हे अष्टविनायक सिद्धि के दाता,
पूर्ण करो मनकामना हमारी है सुखदाता।।
जय जय भवानी, जय जय भवानी
वीरों की तुम हो महारानी,
दुष्टों का संहार हो करती,
हर विपदा को तुम हो हरती,
जय जय भवानी, जय जय भवानी
सुनो कहानी है भवानी।।
थी, वीरांगना वह स्वाभिमानी, लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
कन्या एक जन्मी थी, ओजस।
नाम रखा सबने मणिकर्णिका।
मनु बाई ने अपने घर में रंग बिरंगी खुशियां थी पाई
मात–पिता की थी, वह अपनी लाडली।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
जन्म हुआ सन 1828 में पिता मोरपतं तांबे के घर,
माता उनकी बहुत ही प्यारी नाम भागीरथी सप्रे प्यारी,
वाराणसी की गलियों में काशी जैसी धार्मिक नगरी में
मनु को पढ़ना लिखना बहुत भाता था,
काम इसके अतिरिक्त उसे कुछ नहीं आता था।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
मनु जबकि मात्र 4 बरस की तभी माता का संग छूटा,
जिम्मेदारी मनु की पिता तांबे के सर आयी,
छोटी सी आयु में पिता ने युद्ध कला का, कौशल था सिखलाया,
छोटी मनु को पिता ने रानी बनने का हर हुनर बताया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
थी, मनु जब 14 बरस की
तब ही पिता ने, गंगाधर राव संग उनका विवाह रचाया,
पुरानी प्रणाली अनुसार नाम बदलकर लक्ष्मीबाई रख कर आया।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
1851 में रानी ने जन्म एक पुत्र को दिया,
नाम रखा आनंद राव,
राजा बहुत खुश हुए,
पर पुत्र ज्यादा वक्त जीवित न रह सका,
मात्र 4 महीने की अवधि में पुत्र आनंद का निधन हुआ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
शोक में डूब गई महारानी,
इस विपदा से गंगाधर राव जी का स्वास्थ्य डामाडोल हुआ,
पुत्र निधन बर्दाश्त न कर पाए और स्वास्थ्य गंभीर हुआ,
1853 में रानी झांसी ने पुत्र एक गोद लिया,
नाम बहुत प्यारा था, वह दामोदर राव हुआ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
उपस्थिति में अंग्रेजों की पुत्र दामोदर का ग्रहण संस्कार हुआ।
पुत्र दामोदर पाकर राजा भी बहुत प्रसन्न हुआ,
परंतु झांसी पर काले बादल मंडरा गए,
चुपके–चुपके काल गति के कदम,
झांसी तक आ गए।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
इधर महाराजा का निधन हुआ,
तब थी, रानी मात्र 18 बरस की,
अंग्रेजों को जैसे अवसर प्राप्त हुआ,
पर हाथ में कमान संभाली बहादुर, लक्ष्मी बाई ने ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
झांसी पर किसी अंग्रेज को हाथ न रखने दिया,
किया समर्पण सारा जीवन, झांसी की गद्दी के नाम ,
विचार–विमर्श कर हर लगान झांसी के लोगों के लिए कम किया,
थी कमाल, की वह महारानी, नाम था जिसका लक्ष्मीबाई ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
हाथ न झांसी पर किसी भी अंग्रेज को रखने दिया,
यह देख अग्रेजो का मन तनिक भी ना प्रसन्न हुआ,
भेज सूचना लॉर्ड डलहौजी को दामोदर को वारिस बनाने का विचार किया,
पर डलहौजी ने उस विचार को ठुकराया,
निरीक्षण करने के बहाने, डलहौजी झांसी में आया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
ब्रिटिश शासन का झांसी पर होगा पहरा,
यह घोषणा करने था वह आया,
मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी,
रानी झांसी ने यह कहलवाया,
जनता झांसी की रानी के संग हो ली ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
भेजा एक राजदूत को लंदन,
लेने मान्यता वारिस कि,
नहीं प्राप्त हुई मान्यता,
अर्जी को खारिज अंग्रेजों ने किया।
अंग्रेजों ने रानी को सबक सिखाने की मन में ठानी,
पर कसम रानी ने खाई
नहीं दूंगी ! मैं अपनी झांसी
प्रण उस रानी ने किया ।।६
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
1854 मे अंग्रेजों ने एक पत्र प्रेषित किया,
जिसमें झांसी को अंग्रेजों ने अपने अधीन किया,
एलिस द्वारा आदेश मिलने पर,
झांसी की रानी ने उसका खंडन किया,
और अंग्रेजों से युद्ध करने का उन्होंने एकदम से द्रण प्रण लिया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी।।
गुलाम खान, दोस्त खान, खुदाबख्श, सुंदरी और मुंदरी, काशीबाई,
लाला ,भाऊ, मोतीबाई, रघुनाथ, जवाहर सिंह आदि आदि
थे, सेना के सेनानायक,
कुल 14000 सैनिक थे, भाई ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
1857 में मेरठ में विद्रोह एक भयंकर हुआ,
गौ मांस और सूअर की चर्बीयों की थी, परतें चढ़ी,
इस विद्रोह को दबाना ना अंग्रेजों के लिए आसान हुआ,
फिलहाल झांसी को लक्ष्मीबाई के अधीन रहने दिया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
अक्टूबर सन 1857 को रानी को दतिया और ओरछा के संग
युद्ध करना पड़ा।
देखकर अकेली नार उन्होंने की थी,
झांसी पर चढ़ाई ।।
थी, वीरांगना वह स्वाभिमानी, लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
सन1858 में ह्म रोज के साथ मिलकर,
अंग्रेजों ने झांसी पर फिर धावा बोल दिया,
तात्या टोपे के संग मिलकर,
लेकर सैनिक, 20000,
रानी ने अंग्रेजों के संग की लड़ाई ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
लगभग 2 सप्ताह चली, लड़ाई,
और अंग्रेजों की सेना इस बार कामयाब, अपने इरादों में हो पाई,
की लूटपाट शुरू अंग्रेजों ने ,
लेकर दामोदर को अपने संग रानी भागी और सफल सुरक्षित
जीवन पुत्र दामोदर का किया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
तात्या टोपे के सानिध्य में,
सतत 24 घंटे चलकर,
102 मील का सफर तय किया,
पहुंची कालपी तात्या संग,
कुछ देर वहां विश्राम किया ।।

थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
फिर तारीख 22 मई 1858 को ह्मरोज, ने,
कालपी पर सेना सहित आक्रमण किया,
रानी ने वीरता पूर्वक ह्मरोज को परास्त किया,
फिर एक बार हमला कर इस बार उसने रानी को परास्त किया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
इस बार रानी ने ग्वालियर किले पर करी चढ़ाई,
सेना की थी मांग बस,
राज्य फिर पेशवा को सौंप दिया ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
17 जून सन 1858 में फिल्म रॉयल आइरिश आया,
इस.बार उसने युद्ध मचाया,
राजरतन घोड़ा नहीं था इस बार,
झांसी की रानी के पास ।।
वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
नया घोड़ा नहर पार ना कर पाया,
संघर्ष किया पर चोट बहुतेरी,
बेहोश होकर गिरी सिंहनी
ले गया, सैनिक गंगाधर मठ के पास ।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।
रानी को गंगाजल पीने को दिया,
रानी ने अंतिम इच्छा बतलाई,
ना कोई अंग्रेज उनकी मृत देह को छूने पाए,
अग्नि का आह्वान कर शरीर अग्नि की जलती लपटों को सौंप दिया।।
लपटों को सौंप दिया।।
थी वीरांगना वह स्वाभिमानी लक्ष्मी बाई झांसी की रानी ।।

मिस-एडवेंचर का शिकार अग्निपथ

पुष्परंजन

उर्सुला फोन डेय लॉएन भारतीय मीडिया के लिए अपरिचित नाम नहीं है। बहैसियत यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष, उर्सुला 25 अप्रैल 2022 को वो नई दिल्ली आई थीं। जर्मनी पूरी दुनिया में बाल अधिकारों का उल्लंघन करने वाले की खबर लेता रहा है। 80 के दशक में मैंने स्वयं देखा था, भारतीय कारपेट उद्योग वाले जर्मनी का नाम सुनते कैसे कांपते थे। 2005 में पहली बार उर्सुला परिवार कल्याण मंत्री बनीं। 2013 में उर्सुला फोन डेय लॉएन, मैर्केल कैबिनेट में प्रतिरक्षा मंत्री बनाई गईं। रूस ने जब क्रीमिया पर हमला किया था, जर्मन प्रतिरक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी दबाव में तीन साल बाद, 2017 में घोषणा की, कि हम एक्टिव सैन्य बल की संख्या 1,79000 से बढ़ाकर 2024 तक एक लाख 98000 कर देंगे। 2017 में 2,128 बालकों की नियुक्तियां जर्मन सेना में कर दी गई, जो 18 साल से कम उम्र के थे। उसके बाद से वह सिलसिला रुका नहीं। उर्सुला फोन डेय लॉएन के प्रतिरक्षा मंत्री रहते दस हजार नाबालिग जर्मन सेना में नियुक्त हो चुके थे। इस मनमानी के विरूद्ध 30 हजार लोगों ने उर्सुला को हस्ताक्षर युक्त पत्र भेजा कि वो ऐसी नियुक्तियां बंद करें, जिससे जर्मनी की नाक कटती हो। जर्मन एनजीओ ट्रेंडेंस इंस्टीच्यूट ने एक सर्वे के आधार पर जानकारी दी कि जर्मनी में स्पोर्ट्स वियर कंपनी, एडीडास के बाद, मिल्ट्री ऐसा महकमा है, जहां स्कूली बच्चे नौकरी पाने को लपकते हैं। बिना जर्मन संसद बुंडेस्टाग को भरोसे में लिये, ऐसा इसलिए चल रहा था, क्योंकि सुरक्षा मामलों में फैसले लेने के वास्ते अधिकृत जर्मन कैबिनेट की संघीय सुरक्षा समिति (जीपीपीआई) सर्वसत्तात्मक हो चुकी थी। बालकों को सेना में नियुक्ति दिये जाने के विरोध में जीईडब्ल्यू यूनियन की नेता एल्का होफमैन ने तब सवाल उठाया था कि जर्मन सरकार एक ऐसे पेशे की तरफ बच्चों को धकेल रही है, जिसमें जरूरत पड़ने पर हिंसात्मक कार्रवाई या हत्या से संकोच नहीं किया जाता। क्या पूरी दुनिया में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ऐसा ही मनमाना व्यवहार करती है? पूरी दुनिया पुतिन के अधिनायकवादी ढब पर प्रश्न करती है। मगर, ऐसी कार्यशैली वाला नेता दिखावे के लिए ही सही, संसद को भरोसे में लेता है। रूसी सेना को किसी फ्रंट पर भेजने अथवा उनके सर्विस रूल्स में किसी किघ्स्म के रद्दोबदल के लिए बाकायदा रूसी संसद में प्रस्ताव पास होता है, उसपर कानूनन मुहर लगती है। रूसी सेना में 10 लाख 14 हजार एक्टिव फ ोर्स में, ठेके पर चार लाख भर्तियां की गई हैं। मगर, उस वास्ते भी संसद की स्वीकृति ली गई। रूस का दूसरा उदाहरण देते हैं, जहां पुतिन जैसे सर्वाधिकारी को संसद पर भरोसा है। ज्यादा दिन नहीं हुए, 25 मई 2022 को रूसी संसद के निचले सदन शड्यूमाश में सेना में नियुक्तियों की अधिकतम उम्र सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव आया, जिसे सदन ने पास किया। कारण था, यूक्रेन युद्ध। रूसी प्रतिरक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी, कि यूक्रेन युद्ध में 1,351 मिल्ट्री पर्सनल मारे जा चुके हैं, और 3, 825 घायल हुए हैं। चुनांचे, 40 से ऊपर के वैसे अवकाशप्राप्त सैनिक भर्ती किये जाएं, जो अनुभवी हैं, और शारीरिक रूप से ऊर्जावान हैं। सेना में नियुक्ति से लेकर नियमों में बदलाव के वास्ते इजराइली संसद क्नेसेट का भी महत्व है। हालिया उदाहरण धार्मिक दीक्षा लेने वाले येशिबा छात्रों को सेना में अनिवार्य रूप भर्ती होने से छूट का था, जिसका प्रस्ताव इजराइली संसद में जनवरी 2022 के आखिरी हफ्ते में रखा गया था। दो सप्ताह पहले यह प्रस्ताव संसद में गिर गया था, जिसे इजराइली रक्षा मंत्री बेन्नी ग्रांज ने दोबारा से पेश किया।

प्रियंका बोली, मैंने 29 मार्च को लिखा था पत्र

रक्षा मंत्री ने भर्ती पर युवाओं की आवाज को कोई महत्व ही नहीं दिया, तुरंत हल निकालने का निवेदन था

लखनऊ (संवाददाता)। अग्निपथ स्कीम को लेकर देशभर में मचे भूचाल के बीच प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट किया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मैंने 29 मार्च 2022 को रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर युवाओं की इन मांगों को ध्यान देकर तुरंत हल निकालने का निवेदन किया था। लेकिन आवाज कम महत्व नहीं दिया गया। प्रियंका गांधी ने रक्षा मंत्री को लिखा पत्र भी सोशल मीडिया पर साझा किया था। सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना भारत के तमाम युवाओं का सपना होता है। इसके लिए देश के लाखों युवा कड़ी मेहनत से तैयारी करते हैं। महोदय, देशभर से तमाम युवाओं ने सेना में भर्तियों के परिणामों, नियुक्तियों में देरी व भर्ती रैली से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ आपका एवं सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की है। प्रियंका ने लिखा था कि वायुसेना में सैनिक की भर्ती जनवरी 2020 के लिए परीक्षा नवंबर 2020 में हुई थी और उसका परिणाम भी नवंबर 2020 में आ गया था। सभी टेस्ट हो जाने एवं प्रोविजनल सिलेक्शन लिस्ट आ जाने के बावजूद अभी तक इसकी एनरोलमेंट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इस भर्ती से जुड़े युवाओं का कहना है कि एनरोलमेंट लिस्ट जारी करने की तिथि को बार–बार आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि जनवरी 2020 की भर्ती की एनरोलमेंट लिस्ट तुरंत जारी की जाए। वहीं, आगे लिखा कि इसके अलावा वायुसेना में सैनिकों की भर्ती की एक और परीक्षा जुलाई 2021 में ली गई, जिसमें लाखों युवाओं ने हिस्सा लिया। इसका परिणाम अगस्त 2021 में आना था, लेकिन अभी तक परिणाम जारी नहीं हुआ है। कांग्रेस महासचिव ने मांग की कि जुलाई 2021 की भर्ती का परिणाम जारी कर आगे की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू किया जाना चाहिए। प्रियंका गांधी ने अपने पत्र में लिखा कि लाखों युवा दौड़, नियमित व्यायाम एवं अन्य माध्यमों से सेना भर्ती की तैयारी में लगे हैं, लेकिन कई सालों से सेना की भर्ती नहीं आई है। सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवा परेशान हैं। सेना में खाली पड़े लाखों पद भरने के लिए अविलंब भर्ती निकाली जाए और सभी भर्ती केंद्रों पर भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि लंबे समय से सेना में भर्तियों के न आने एवं परिणामों, नियुक्तियों में देरी के चलते ओवरएज हो रहे अभ्यर्थियों को आयु सीमा में दो साल की छूट दी जाए। कांग्रेस महासचिव ने रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि दिसंबर 2021 में केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में दिए गए जवाब में सेना में 1.25 लाख पद खाली होने की बात कही गई थी। एकतरफ जहां सेना में लाखों पद खाली हैं, वहीं सेना भर्ती के परिणामों व प्रक्रियाओं में हो रही देरी चिंताजनक है। वहीं, सालों–साल भर्ती न आने से लाखों युवा कड़ी मेहनत करने के बावजूद भी निराश हैं। वाड्रा ने आगे लिखा– आशा है कि आप सेना में भर्तियों से जुड़े इन सभी बिंदुओं को संज्ञान में लेंगे एवं अविलंब आवश्यक कदम उठाएंगे, ताकि सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं की मेहनत को सम्मान व समाधान मिल सके।

देश पर मनमाने तरीके से लिए गए फैसले थोपे जा रहे : अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि देश पर मनमाने तरीके से लिए गए फैसले थोपे जा रहे हैं, जिससे देश की ऊर्जा और जनशक्ति बर्बाद हो रही है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, "राय, सलाह, मंत्रणा, सम्मति, परामर्श, विचार–विमर्श, संयुक्त निर्णय और सामूहिक बैठक। ये लोकतांत्रिक शब्द भाजपाई शब्दकोश में नहीं हैं। तभी बार–बार देश पर मनमाने तरीके से किये गये फैसले थोपे जा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा और जनशक्ति सरकार की जनविरोधी नीतियों व योजनाओं के विरोध में बर्बाद हो रही है।

मोदी देश को संवैधानिक तरीके से नही तानाशाही से चलाना चाहते है : आफ़ाक

लखनऊ (संवाददाता)। आज राष्ट्रिय समाजिक कार्यकरता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफ़ाक ने जारी अपने बयान में काहा मोदी जी देश को संवैधानिक तरीके से नही तानाशाही से चलाना चाहते है। 8 वर्ष मे हिन्दू मुालमान मन्दिर मस्जिद कर देश को पहले से ही बाट दिया हैं। अब बेरोजगार युवाओ के साथ वो मजाक किया हे जो बहुत शर्मनाक हे चुनाव के समय मोदी जी ने शिक्षित युवा बेरोजगारो को हर वर्ष दो लाख नौकरी देने का वायदा किया था जब युवाओ ने सरकारी नौकरी के लिये आवाज बुलंद की तो पुलिस ने लाठी बाजी की। फिर मोदी जी ने युवाओ को आत्म निर्भर बनाने के लिये पकौडा तलने व गाय गोबर मूत्र से रोजगार करने की सलह दे डाली नुपुर शर्मा व नवीन जिदंल के बयान से देश शर्म सार हो गया देश मे प्रदर्शन होने लगे नफरती आग से देश जलने लगा तो मोदी जी ने युवाओ को नया सगूफा अग्निपथ वीर नाम की नौकरी देने की घोषणा कर दी जिससे युवाओं मे भारी रोष व्याप्त हो गया। अंत मे मोहम्मद आफ़ाक ने कहा के ये देश सवारकर गवारकर गोडसे से नही संवीधान से चलेगा संविधान से छेड़खानी 2024 मे देश की जनता बहार का रासता दिखएगी।

21 जून को वृहद रोजगार मेले का होगा आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत 21 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 30 कम्पनियाँ प्रतिभाग करने आ रही है। एम. ए. खाँ ट्रेनिंग काउन्सलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर ने बताया कि जो अभ्यर्थी मात्र हाईस्कूल, इण्टमीडिएट,आई.टी.आई राजकीय, निजी आई.टी.आई व डिप्लोमा पास कर चुके हैं। वे भी रोजगार दिवस में हिस्सा लेकर रोजगार पा सकते है। इसके अतिरिक्त कौशल विकास से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकते हैं। आर.एन त्रिपाठी प्रधानाचार्य ने बताया कि आने वाली 30 प्रतिष्ठित कम्पनियों में न्यूनतम वेतन 10000 से 25000 रूपये तक के वेतन पर जॉब के अवसर उपलब्ध होंगे। रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी 21 जून को सुबह 10 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में आने वाले वाले अभ्यर्थियों को अपने साथ दो प्रति बायोडाटा एवं उसके साथ शैक्षिक योग्यता व तकनीकी योग्यता की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर सम्बन्धित कम्पनी में प्रतिभाग कर सकते है।

योग शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ रखने वाली विद्या है' : धीरेंद्र प्रताप

लखनऊ (संवाददाता)। 'आजादी के अमृत महोत्सव' और 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट एंड कल्चर उत्तर प्रदेश' के द्वारा 'योग एवं स्वस्थ मानव जीवन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संस्था के कार्यालय में किया गया। 'राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त रोहित कश्यप' ने कहा कि अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस तरह के योग कार्यक्रम से लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति चेतना एवं जागरूकता बढ़ेगी। योग के विभिन्न आसन का निरंतर अभ्यास मन को एकाग्रचित्त एवं तन को प्रफुल्लित रखने में सहायक सिद्ध होता है। योगा से तनाव और डिप्रेशन जैसी मानसिक परेशानी से भी छुटकारा पाया जाता है।'संस्थान के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप' ने बताया कि योग शरीर, मनऔर आत्मा को स्वस्थ रखने वाली विद्या है। आज के भाग–दौड़ भरे समाज को जिस तरह नई–नई बीमारियों ने घरों में रहने को मजबूर कर दिया है, केवल योग ही ऐसा तरीका हैं। इससे मनुष्य अपने आप को ही नहीं बल्कि अपने परिवार को भी स्वस्थ रखने में भागीदारी कर सकता है।'संस्थान के सचिव श्रीश सिंह' ने बताया की महर्षि पतंजली के अनुसार योग की परिभाषा है 'स्थिरं सुखं आसनं' अर्थात स्थिरता पूर्वक किसी भी स्थिति में सुख से लम्बे समय तक बैठे रहना ही आसन कहलाता है, योग अभ्यास द्वारा मनुष्य अपने शरीर की समस्त नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मक उर्जा में परिवर्तित कर सकता है। जिससे उसके भीतर एक नवीन उर्जा का संचार होता है तथा रोग, शोक, दुख तनाव आदि स्वतरू ही समाप्त हो जाते है।'सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार ने सभी साधको को कमर दर्द, सर्वाइकल, मधुमेह, ब्लड–प्रेशर, मोटापा, माईग्रेन आदि समस्याओ से सम्बन्धित योग आसनो में स्कंध चालन, गोरक्षासन, नाड़ी संचालन, ताड़ासन, आदि के साथ ही इन्द्रियों की एकाग्रता के साथ ही मन की शांति के लिए प्राणायाम का अभ्यास भी कराया।कार्यक्रम मे शैलेश प्रताप सिंह, राकेश प्रभाकर, कपिल गुप्ता,दिलीप कुमार, संजीव गुप्ता ने सहयोग किया।

मंत्री का अनुमोदन होते लागू होगा नया जेल मैन्युअल : डीजी जेल

लखनऊ (संवाददाता)। अमिताभ ठाकुर द्वारा उत्तर प्रदेश जेल मैन्युअल के कतिपय प्रावधानों में तत्काल बदलाव की मांग के क्रम में डीजी जेल कार्यालय ने बताया है कि नया जेल मैन्युअल शीघ्र लागू होने वाला है। एस के मैत्रेय, डीआईजी मुख्यालय द्वारा प्रेषित पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार की अपेक्षा के अनुसार जेल मैन्युअल में संशोधन हेतु मॉडल प्रिजन मैन्युअल 2003 तथा 2016 के साथ उत्तर प्रदेश जेल सुधार समिति 1946, अखिल भारतीय जेल सुधार समिति 1980–83 तथा कपूर कमिटी 1987 के साथ सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट तथा एनएचआरसी के तमाम निर्देशों को समाहित करते हुए संशोधित जेल मैन्युअल 2021 का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, जो वहां लंबित है तथा मंत्री के अनुमोदन के बाद प्रभाव में आएगा। अमिताभ ने कहा था कि जेल मैन्युअल के तमाम प्रावधान भारतीय संविधान तथा दांडिक विधि के खिलाफ हैं. प्रस्तर 168 तो सजायाफ्ता फौजियों को यूनाइटेड किंगडम भेजे जाने की बात करता है तथा ब्रिटिश कब्जा, भारत मंत्री तथा हिज मेजेस्टी आर्डर जैसे शब्दों तक का प्रयोग करता है. कई प्रस्तर में यूरोपियन तथा एंग्लो–इंडियन कैदियों का विशेष उल्लेख है. कई प्रस्तर में मद्रास सरकार, कलकत्ता प्रेसीडेंसी, बॉम्बे सरकार जैसे शब्दों का प्रयोग है जो अब अस्तित्व में नहीं हैं. कई प्रस्तर उत्तराखंड के इलाके से संबंधित हैं. प्रस्तर 719 में जातीय पक्षपात तक तो अनुमति है जो संविधान के पूर्णतया विपरीत है. कई प्रस्तरों में कोड़े बरसाने, बेड़ी, हथकड़ी, क्रॉस बार जैसी सजा का जिक्र है जिन्हें अब सजा के रूप में हटा दिया गया है. इसी प्रकार डाइट या अन्य सहयोग धनराशि रु० 2 प्रति दिन तथा 37 पैसे प्रति किलोमीटर जितना कम रखा गया है. यहाँ तक कि मेडकल अफसर को रु० 10 जेल अलाउंस की व्यवस्था है।

बीजेपी का प्लान फतह 2024 तैयार

बूथ मजबूत तो जीत पक्की, सांसद करेंगे बूथों पर प्रवास

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी को विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल होने के बाद अब पार्टी मिशन 2024 को लेकर सक्रिय हो गई है। बीजेपी में आराम के लिए कोई वक्त नहीं होता है। पीएम नरेंद्र मोदी18 घण्टे काम करते हैं तो वर्करों को भी करना है, थोड़ा कम हो सकता है लेकिन आराम हराम है। विधानसभा चुनाव से फुर्सत मिली तो एमएलसी चुनाव में फोकस किया और आज उच्च सदन में भी मेजॉरिटी में आ गई है। इसके तुरंत बाद ही लोकसभा की रिक्त हुई आजमगढ़ और रामपुर सीट को लेकर सक्रिय हैं। आजमगढ़ और रामपुर में समाजवादी गढ़ ढहाने को लेकर पुरजोर कोशिश कर रही है बीजेपी। चुनाव में भले ही अभी समय लम्बा बाकी है लेकिन हमेशा दूर की सोच रखने वाले बीजेपी लीडर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गये हैं। कल शाम को भाजपा के राज्य मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह की अध्यक्षता में सांसदों की बूथ सशक्तीकरण कार्यशाला हुई जिसमें बूथ मजबूती का मंत्र दिया गया। 2024 में मिशन 75 के लिए लोकसभा व राज्यसभा सदस्यों को सौ–सौ बूथों की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व बूथ सशक्तीकरण अभियान के प्रभारी बैजयंत पांडा के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 1.63 लाख बूथों में करीब 1.25 लाख पर जीत मिली थी,जहां जीत नहीं हुई, उन्हें मजबूत करना है।

भाजपा के हर सांसद को उसके संसदीय क्षेत्र के हर विधानसभा क्षेत्र में 25–25 कमजोर बूथों पर प्रवास करना होगा। कार्यकर्ता, बूथ कमेटी व विधायक उनकी मदद करेंगे। कमजोर बूथों को मजबूत करने के लिए लाभार्थियों से नियमित संपर्क व संवाद किया जाएगा। योजनाओं वंचित परिवारों को लाभांवित कराने का अभियान चलेगा। पार्टी ने 2019 के बूथवार परिणाम के आधार पर बूथों को ए, बी और सी श्रेणी में बांटा है। कमजोर बूथ मजबूतकर जीत की राह आसान की जा सकती है। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि भाजपा को लोकसभा चुनाव 2019 में 80 में 64 सीट पर जीत मिली थी जबकि बसपा को दस, सपा को पांच और कांग्रेस को एक। इस बार 2019 में हारी लोकसभा सीटों पर विशेष जोर है। भाजपा ने बसपा के कब्जे वाली दस सीटों के लिए अलग से रणनीति बनाना शुरू की है। अमेठी के बाद रायबरेली भी कांग्रेस से छीनने की मंशा है। सपा के कब्जे वाली पांच सीटों पर भी नए सिरे से काम होगा। 18 जुलाई से संसद का मानसून सत्र सम्भावित है। ऐसे में 18 जुलाई से पहले सांसदों को बूथ सशक्तीकरण का पहला चरण पूरा करना है।

राष्ट्रीय लोकदल ने अग्निपथ योजना का किया विरोध, व्यापक रूप से हो भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोक दल ने अग्निपथ योजना के खिलाफ में शनिवार को यूपी के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया हैं। अग्निपथ योजना को लेकर यूपी और बिहार के युवाओं में जबर्रदस्त रोष है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय के नेतृत्व तथा महानगर अध्यक्ष चन्द्रकांत अवस्थी एवं जिलाध्यक्ष रणविजय मौर्य की अध्यक्षता में राष्ट्रपति को सम्बोधित 7 सूत्री ज्ञापन एसीपी हजरतगंज अखिलेश सिंह को दिया गया है। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि अग्निपथ योजना द्वारा हमारे देश को सशक्त सेना मिलना सम्भव नहीं होगा। क्योंकि नौजवानों के हृदय में केवल 4 साल का ही सेवाकाल कुण्ठा के रूप में रहेगा। सेना में विगत 3 वर्ष से भर्ती नहीं हुयी है। अब इस प्रकार की भर्ती अग्निपथ योजना से युवाओं को मानसिक आघात पहुंचा रहा हैं। जो कई वर्षो से खून पसीना बहाकर सेना में भर्ती के लिए तैयारी कर रहे हैं। अग्निपथ योजना से सेवानिवृत्त होने के पश्चात जवानों को न तो पेंशन मिलेगी और न ही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी वे स्वयं को भूतपूर्व सैनिक भी नहीं लिख सकेंगे। उन्हें केवल अग्निवीर कहा जायेगा। 4 वर्ष का सेवाकाल 6 महीने ट्रेनिंग में निकल जायेगा। देश में बेरोजगारी बहुत विशाल रूप ले चुकी हैं। इसलिए सभी विभागों में व्यापक रूप से भर्ती करने की प्रक्रिया तत्काल प्रारम्भ की जाए। ज्ञापन देने वालो में आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा, प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी वरिष्ठ नेता संतोष यादव, बी.एल प्रेमी, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, प्रमोद पटेल, महेश पाल उपस्थित रहे।

'अग्निपथ' योजना को लेकर बवाल, फूंकी बसें, पुलिस पर पथराव

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय सेना में भर्ती को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाई गई 'अग्निपथ' योजना' को लेकर देश के कई राज्यों में जमकर बवाल मचा हुआ है। युवा इस योजना का जमकर विरोध कर रहे है। इस योजना को लेकर यूपी के कई हिस्सों में आज लगातार विरोध जारी है। सुरक्षा को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किए गए है। अग्निपथ योजना को लेकर शनिवार को सबसे ज्यादा बवाल यूपी के जौनपुर में देखने को मिला है, जहां सिकरारा थाना क्षेत्र और बदलापुर इलाके में गुस्साए छात्रों ने जमकर बवाल काटा। छात्रों ने इस दौरान पुलिस पर पथराव के साथ–साथ रोडवेज बसों को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान पुलिस ने 32 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है।गुस्साए छात्रों नें अलीगढ़, चंदौली, जौनपुर के साथ–साथ कई इलाकों में जमकर बवाल काटा है। इसके अलावा कुशीनगर में पडरौना रेलवे स्टेशन पर लखनऊ से आने वाली गोमतीनगर छपरा एक्सप्रेस को भी प्रदर्शनकारी छात्रों ने रोक दिया था। वहीं इस बीच अग्निपथ योजना के खिलाफ उपद्रव में गिरफ्तारी का दौर भी जारी है। पूरे राज्य भर में इस सिलसिले में 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इन मामले में अब तक 101 लोगों को गिरफ्तार किया गया, वहीं 168 आरोपियों का धारा 151 में चालान किया गया। बलिया में भी बवाल को देखते हुए धारा 144 लागू किया गया है।

आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन कर अग्निपथ योजना को निरस्त करने की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी द्वारा कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर गोबर के कंडे रखकर भाजपा सरकार की गोबर व अग्निपथ योजना का विरोध प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी नेता वंशराज दुबे ने कहा कि भारतीय सेना में 4 साल के लिए सैनिकों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना से देश की जनता व युवा आक्रोश में है। मात्र 4 वर्षों के लिए सैनिकों की भर्ती वास्तव में सैन्य भर्ती न होकर एक सिक्योरिटी गार्ड ट्रेनिंग सेंटर होकर रह जायेगी। क्योंकि 4 साल तक सेना में रहने के बाद युवा किसी प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करेगा। फिर बेरोजगारी की मार से आत्महत्या करने को मजबूर होगा। सरकार ने यह कदम जानबूझकर देश के युवाओं के भविष्य को प्राइवेट कंपनियों के हाथों में देने के लिए उठाया है। निजी कंपनियों को फायदा पहुंचा रही है। सेना के साथ खिलवाड़ करना पूरी तरह से देश के खिलाफ काम करना है। हमारी मांग हैं कि अग्निपथ योजना जैसे अपमान जनक कदम के कारण देश के युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोकने का प्रयास करें। भारत की सेना भारत का गर्व है सेना के गर्व को खत्म करने का प्रयास न करें। इस प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष रोहित श्रीवास्तव,मनीष रावत, मोहित, वारिस व अभय के साथ कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईटी रेड से यूपी के अफसरों में खलबली

लखनऊ से लेकर दिल्ली तक पड़ रहे छापे

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में छापेमारी हो रही है। इनकम टैक्स विभाग ने यूपी के भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है, जिन अफसरों पर सरकारी योजनाओं में सेंध लगाकर भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं उनके खिलाफ बड़ी कार्वाई की जा रही है। छापेमारी का सिलसिला यूपी के राजधानी लखनऊ से लेकर दिल्ली व कोलकता तक जारी है। इस रेड की चपेट में आने वाले यूपी के अधिकारियों में उद्योग और उद्यमिता विभाग के बड़े अधिकारी शामिल हैं, जिनके ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। इनकम टैक्स विभाग ने तीन दिनों के इस सर्च अभियान को 'ऑपरेशन बाबू साहेब' का नाम दिया है। इस ऑपरेशन के तहत दोषी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। ऐसे अफसरों में यूपी के वरिष्ठ नौकरशाह जैसे उपायुक्त राजेश यादव, प्रवीण सिंह, उद्योग विभाग के एक मैनेजिंग डायरेक्टर आदि के नाम शामिल हैं। लखनऊ, कानपुर के साथ ही इन अफसरों के दिल्ली और कोलकाता स्थित ठिकानों पर भी छापे मारे गए हैं। यादव के कंपनी बाग चौराहा स्थित आवास पर भी रेड मारी गई। आईटी विभाग के रडार पर ऐसे एक दर्जन से ज़्यादा अफसर हैं, इस अभियान को तीन दिनों तक जारी रखा जाने वाला है यानि शुक्रवार से रविवार तक रेड डाली जाएगी। इससे पहले गोल्डन बास्केट फर्म से जुड़े अंचित मंगलानी और प्रतिभा यादव के आवासों पर भी रेड डाली थी। यूपी के अफसरों में खलबली मची हुई है।

आजमगढ़ उपचुनाव : सपा को गढ़ बचाने की चुनौती

बीजेपी और बीएसपी को खोई जमीन की तलाश, ट्रैंगुलर फाइट में वर्चस्व की जंग

लखनऊ (संवाददाता)। आजमगढ़ जिले की पहचान चार नदियों से है। तमसा नदी के तट पर बसा आजमगढ़ अयोध्या की सरयू, काशी की गंगा और घाघरा नदी के किनारे है। आजमगढ़ समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। नेताजी मुलायम सिंह यादव और सपा चीफ अखिलेश यादव दोनों ने आजमगढ़ का संसद में0 प्रतिनिधित्व किया है। 2019 में बीजेपी की लहर के बावजूद भगवा आजमगढ़ में लहरा नही पाया था,साइकिल रेस में आगे निकली थी। इस बार थोड़ा समीकरण बदले नजर आ रहे हैं, क्योंकि प्राय: उपचुनाव से दूर रहने वाली बीएसपी भी मैदान में है और जानबूझकर मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है। मन्तव्य जानकार जान ही रहे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ की लहर थी, बावजूद इसके आजमगढ़ में सभी दस विधायक सपा के हैं। अखिलेश यादव के इस्तीफे से खाली सीट पर 23 जून को मतदान है। 2024 के पहले आजमगढ़ और रामपुर का उप–चुनाव सभी दलों के सम्मान से जुड़ा है।भाजपा और बसपा पुरानी सीट पर वापसी चाहती है। वही सपा मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की पुरानी सीट बचाने के लिए दिन–रात एक किये है। सपा से धर्मेंद्र यादव भाजपा से दिनेश लाल यादव निरहुआ और बसपा से गुड्डू जमाली चुनावी मैदान में हैं। यहाँ के लिए उप–चुनाव में धर्मेंद्र यादव नए है लेकिन दिनेश लाल यादव निरहुआ और गुड्डू जमाली पुराने चेहरे है। 2019 के चुनाव में दिनेश लाल यादव निरहुआ को361704 वोट और 2014 के चुनाव में गुड्डू जमाली को 266528 वोट पाकर चुनाव हार चुके हैं, लेकिन इस चुनाव में भाजपा सपा और बसपा तीनों मजबूती सेलड़ रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव 340306 वोट पाकर सदन पहुंचेथे तो 2019 के चुनाव में अखिलेश यादव 621578 वोट पाकर सांसद चुने गए थे। इस बार निरहुआ की खातिर भाजपा मुस्तैद है। भाजपाई कहते हैं कि भाजपा की जीत मोदी और योगी के नाम पर होगी। अमेठी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था,लेकिन 2019 के चुनाव में स्मृति ईरानी कांग्रेस का गढ़ तोड़कर सांसद बन चुकी है। मुलायम और अखिलेश के गढ़ को तोड़ने के लिए निरहुआ मैदान में हैं। आजमगढ़ में जनता पार्टी के 1977 में रामनरेश यादव,1980 में चंद्रजीत यादव और 2009 में भाजपा के रमाकांत यादव सांसद चुने गए थे। अबतक आजमगढ़ के 19 चुनाव में कांग्रेस 7, भाजपा 3, सपा 4, बसपा 4 और एक बार जनता दल के सांसद बन चुके हैं।19 चुनाव में चंद्रजीत यादव और रमाकांत चार–चार बार सांसद बने थे। इसमें दोनों सांसद भाजपा से भी एक–एक बार जीते थे। दो यादवों के बीच गुड्डू जमाली ने आकर त्रिकोणीय मुकाबला बनाने का प्रयास किया है। जीत हार तो आजमगढ़ की जनता की मर्जी पर निर्भर है। 23 तारीख सपा,भाजपा और बसपा के भाग्य का फैसला करेगी। वर्चस्व की जंग है, मुकाबला दिलचस्प होगा। अभी कल ही प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बातचीत में दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में हमारे 64 सांसद हैं जो 23 जून के बाद 66 हो जायेंगे। उनके कहने का मतलब बीजेपी आजमगढ़ और रामपुर दोनों सीटों पर जीतेगी। दावे हैं दावों के क्या, किये जाते हैं मगर नतीजा मतदाता सुनाने वाले हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने किया नाली एवं इंटरलॉकिंग कार्य का लोकार्पण

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब नगर पंचायत में केंद्रीय राज्यमंत्री आवासन एवं शहरी विकास कौशल किशोर ने नाली एवं इंटरलॉकिंग कार्य का लोकार्पण किया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मुख्य उद्देश्य देश का विकास है। विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। बख्शी का तालाब नगर पंचायत के अंतर्गत नवी कोट नंदना की ब्रह्मपुरी कॉलोनी में केंद्रीय राज्यमंत्री आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार कौशल किशोर द्वारा मार्ग और नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। लगभग 53 लाख रुपए की लागत से इस मार्ग और नालियों का निर्माण किया जाना है। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के विकास कार्य कराए जाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जिसके तहत बख्शी का तालाब के क्षेत्र में कोई जगह विकास कार्य के अछूती न रहने पाए। इस संबंध में नगर पंचायत बख्शी का तालाब के चेयरमैन अरूण सिंह पप्पू ने जानकारी में बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के नवी कोट नंदना के क्षेत्र वासियों को मधेरिया जनरल स्टोर के सामने से अमित के घर तक नाली और मार्ग खस्ताहाल था। जिसके चलते क्षेत्र वासियों को बड़ी कठिनाई होती थी। वहीं बारिश का मौसम भी शुरू होने वाला है। जिसको मद्देनजर रखते हुए नालियां और मार्ग इण्टरलाकिंग कार्य का लोकार्पण केंद्रीय राज्यमंत्री आवासन एवं शहरी विकास के कर कमलों द्वारा किया गया है। जैसा कि मौजूदा सरकार भी विकास कार्य कराए जाने के हर सम्भव प्रयास कर रही है। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने नगर पंचायत चेयरमैन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र की बड़ी समस्या का निराकरण हो गया। इस लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश सिंह, सभासद बनवारी सिंह, सभासद अवधेश यादव, विनय प्रताप सिंह टीटू, राजेंद्र भट्ट एवं नगर पंचायत वासी उपस्थित रहे।

एएमयू में विश्व रक्तदान दिवस पर कार्यक्रम

अलीगढ़ (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में विश्व रक्तदाता दिवस मनाने के लिए आयोजित जागरूकता अभियान में लोगों को निस्वार्थ स्वैच्छिक और अवैतनिक रक्त दाता बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन, अजमल खान तिब्बिया कॉलेज, यूनानी चिकित्सा संकाय के सदस्यों ने जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक के साथ रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, जेएनएमसी की अध्यक्ष, प्रोफेसर सायरा मेहनाज ने रक्त की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने और सुरक्षित रक्त आधान के लिए सार्वभौमिक और समय पर पहुंच प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष रक्तदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मानद अतिथि, चिकित्सा अधिकारी, ब्लड बैंक, जेएनएमसी, डॉ मोहम्मद फवाद फारूक खान ने युवाओं को रक्तदान करने के लिए मानवीय आह्वान को अपनाने और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन, प्रोफेसर एफ एस शीरानी ने नियमित रक्तदान की आवश्यकता पर जागरूकता बढ़ने पर जोर दिया और दूसरों को नियमित और बिना भुगतान वाले रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन फैकल्टी मेंबर्स डॉ मोहम्मद मोहसिन और डॉ अताउल्लाह फहद और जेडीए पदाधिकारी डॉ नवलुर रहमान, डॉ फजल, डॉ सदफ, डॉ साफिया और डॉ माज ने किया। इसी तरह जेएनएमसी में, एमबीबीएस के छात्रों ने मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक के साथ मिलकर 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाने के लिए 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि, डीन, मेडिसिन फैकल्टी, प्रोफेसर राकेश भार्गव ने कहा कि जेएनएमसी के छात्र हमेशा रक्त संग्रह को बढ़ाने में सक्रिय रहे हैं। उनका योगदान गंभीर रोगियों की जान बचाने में काम आया है। प्रोफेसर भार्गव ने अन्य शिक्षकों के साथ इस अवसर पर छात्र द्वारा संचालित वार्षिक चिकित्सा पत्रिका 'कनेक्टोम संस्करण 2' का भी विमोचन किया। जेएनएमसी के प्रिंसिपल प्रोफेसर शाहिद ए सिद्दीकी ने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि जेएनएमसी एमबीबीएस के छात्र अपनी चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत से ही रक्तदान के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वे रक्तदान शिविर में बतौर अतिथि शामिल हुए। शिक्षकगण, प्रोफेसर सैयद जियाउर रहमान और डॉ जयंत शर्मा (विशेष अतिथि) ने भी रक्तदान के लाभों पर बात की और लोगों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। एएमयू मल्लापुरम केंद्र में, डॉ फैसल के पी (निदेशक) ने शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के साथ स्वैच्छिक रक्तदान करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने रक्तदान के वैश्विक उद्देश्य के लिए युवाओं को शामिल करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति के अध्यक्ष डॉ हमजा ने स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर बात की और धन्यवाद ज्ञापित किया।

'जनहित में जारी' के प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊपहुंची अभिनेत्री नुसरत भरूचा और अभिनेता अनुद सिंह ढाका

लखनऊ (संवाददाता)। बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा और अभिनेता अनुद सिंह ढाका अपनी फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लखनऊ में आयोजित प्रमोशनल कार्यक्रम में शिरकत की। जहां उन्होंने 10 जून को रिलीज हुई अपनी आने वाली फिल्म श्जनहित में जारीश को लेकर मीडिया से चर्चा की।

अभिनेत्री नुसरत भरूचा और अभिनेता अनुद सिंह ढाका ने प्रमोशनल कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद लोगों से शूटिंग के दौरान पर्दे के पीछे की मजेदार बातें और फिल्म से मिलने वाले संदेश के बारे में भी चर्चा की, जिसे देश के हर एक कोने तक पहुँचाने की जरूरत है। वहीं उन्होंने कि उत्तर प्रदेश में फिल्मों का विकास तेजी से हो रहा है। आज का समय ऐसा है कि सभी फिल्मों की शूटिंग यूपी और खासकर लखनऊ में होती है। राज्य सरकार भी निर्माताओं को फिल्मों के प्रचार में पूरी मदद करती है। इससे न केवल फिल्म जगत बल्कि फिल्मों में कार्य करने को लेकर इच्छुक युवाओं को भी एक प्लेटफॉर्म मिलेगा। बता दें कि नुसरत भरूचा इससे पहले अपनी फिल्म सोनू की टीटू की स्वीटी के प्रमोशन के लिए भी लखनऊ आ चुकी हैं। फिल्म 'जनहित में जारी' एक युवती की कहानी है, जो एक योद्धा है और भारत के मध्य प्रदेश के एक छोटे से शहर में कंडोम बेचने का चुनौतीपूर्ण काम करती है। फिल्म सामाजिक वर्जनाओं के बीच उनके सामने आने वाली कठिनाइयों को सामने लाती है, जिसके जरिये यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि वह अपने परिवार और पूरे शहर के प्रतिरोध को कैसे संभालती है।

बोर्ड परीक्षा में दिखा मां दुर्गा अभिलाषा इंटर कॉलेज का दबदबा

बेहतर परीक्षा फल देख खुशी से उछलते विद्यार्थी तथा टॉपर को मीठा कराते विद्यालय के संरक्षक हरिशंकर पाण्डेय व शिक्षक

दीपिका गौतम
523 / 600 87.16%

शुभम तिवारी
521 / 600 86.83%

दीपक वर्मा
511 / 600 85.16%

आंचल चौधरी
501 / 600 83.5%

मखौड़ा संदेश कप्तानगंज संवाददाता।

कप्तानगंज बस्ती ।बोर्ड परीक्षा फल 2022 के घोषित होते ही एक बार फिर कप्तानगंज क्षेत्र में मां दुर्गा अभिलाषा इंटर कॉलेज का दबदबा दिखाई पड़ा ।हाई स्कूल में प्रिया यादव ने 547 अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया तो 543 अंक लेकर शालू यादव दूसरे स्थान पर रही । 540 नंबर लेकर अनूप मौर्या को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा । आर्यन मिश्रा को 533 शिवम यादव को 532 सूरज यादव को 520 शिवम पाठक को 519 ऋषभ पांडे को 515 आकृति रंजन पटेल को 515 संध्या चौहान को 510 साक्षी प्रजापति को 509 पंच लाल चौहान को 507 कोमल वर्मा को 507 शिवम यादव को 506 साल वर्मा को 503 आलोक वर्मा को 501 आंचल तिवारी को 500 जूही मिश्रा को 497 देवेंद्र प्रताप को 495 जितेंद्र वर्मा को 495 रागिनी यादव और श्रेया पांडे व यशी मौर्य को 493 अनिल यादव को 492 वीरेंद्र गुप्ता को 788 पायल वर्मा को 487 शालू वर्मा को 450 नेहा तिवारी को 484 अंशिका यादव को 482 तथा कोमल तिवारी को 481 अंक प्राप्त हुएब। इस तरह हाई स्कूल के कुल 320 विद्यार्थियों में 30 विद्यार्थी 80: से ऊपर अंक लेकर पास हुए जबकि पंचानवे फीसद से ज्यादा विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने में सफल रहे । इसी तरह इंटरमीडिएट में भी मेधावी होने अपना परचम लहराते हुए खूब अंक बटोरे।

इंटरमीडिएट परीक्षा में भी विद्यार्थियों की प्रतिभा निखर कर सामने आई विकास कसौधन को 416 साक्षी दुबे को 411 प्रियंका पांडे रागिनी कुमारी को भी 411, 411 राहुल साहू को 407 माधुरी गौतम को 406 युवराज राठौर को 403 अक्षरा रंजन पटेल को 403 सिंधु को 398 संध्या को 394 मंजीत चौरसिया को 394 गंगा मिश्रा को 392 डाली मिश्रा को 391 प्रतिभा वर्मा को 389 प्रिया पांडे को 389 प्रिंस पांडे को 387 प्रभाकर विश्वकर्मा 386 कविता कनौजिया को 350 रुचि तिवारी को 381 अश्लोक पांडे को 381 अंक प्राप्त हुए। इस शानदार सफलता पर संरक्षक हरिशंकर पांडे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विद्यार्थियों तथा कर्मियों की शिक्षकों के कठिन परिश्रम का परिणाम बताया है उन्होंने पुरानी परंपरा को एवं रखने पर संतोष जताया।

अग्निवीर योजना के विरोध को लेकर पुलिस ने की चेकिंग

मखौड़ा संदेश परशुरामपुर संवाददाता।

परशुरामपुर। पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव के आदेश के क्रम में शनिवार को थानाध्यक्ष परसरामपुर अरविन्द कुमार शाही उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह मय पुलिस फोर्स सहित पुलिस चौकी घघौवा पर सेना भर्ती विरोध मैं जाने वाले नवयुवकों के संबंध में वाहनों की चेकिंग की जा रही हैं।

परिणाम जनित अवसाद या उन्माद से बचें

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

बोर्ड परीक्षा परिणाम अपने साथ कुछ भावनात्मक प्रतिक्रिया भी ला सकता है जिसे मनोविश्लेषण की भाषा मे परिणाम द्वन्द या रिजल्ट कॉन्फ्लिक्ट कहा जाता है ।यह प्रतिक्रिया अनिद्रा, बेचौनी, भूख में कमी, चिड़चिड़ापन , सरदर्द , उदासी, क्रोध, मिचली, उल्टी, पेटदर्द बेहोशी जैसे लक्षणों के रूप में परीक्षार्थियों में नजर आ सकता है तथा गुमशुम व पलायनवादी व्यवहार भी दिखाई पड़ सकते है ।इसके विपरीत कुछ परीक्षार्थियों में अपेक्षाकृत उत्कृष्ट परिणाम भी किशोर मन को अतिउत्साही या उन्माद की मनोदशा में ले जा सकता है जो कि किसी अतिजोखिम भरे या अन्य उद्दण्ड कृत्य का कारण बन सकता है। इस प्रकार परीक्षा परिणाम एक दो धारी तलवार की तरह की प्रतिक्रिया पैदा कर सकता जिसका एक छोर अवसाद तथा दूसरा उन्माद हो सकता है। यह बातें मनोपरामर्शदाता डॉ आलोक मनदर्शन द्वारा जिला चिकित्सालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गयी।

बचाव : परिजन व अभिभावक के रोल को बहुत ही अहम बताते है डॉ मनदर्शन ने इस बात पर जोर दिया कि वे अति अपेक्षा पूर्ण व तुलनात्मक आंकलन का वातावरण कदापि न बनने दें तथा अपने पाल्य की गतिविधियों पर मित्रपूर्ण व सजग पैनी नजर रखे तथा कुछ भी असामान्य व्यवहार दिखने पर परामर्श अवश्य ले।

जिलाधिकारी व एसएसपी ने संवेदनशील स्थलों का किया स्थलीय निरीक्षण

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

अयोध्या । सेना भर्ती के लिए लायी गयी अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदेश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन को हिंसक रूप बनते देख जनपद अयोध्या में भी जारी अर्लट के दृष्टिगत जिलाधिकारी नितीश कुमार ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन, अयोध्या जंक्शन रेलवे स्टेशन सहित रिकाबगंज, चौक घंटाघर, नियावां आदि संवेदनशील स्थलों का तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय द्वारा विभिन्न रेलवे क्रासिंग आदि का पैदल मार्च कर स्थलीय निरीक्षण किया गया। द्वय अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान स्टेशन, क्रासिंग के निकट आदि स्थानों पर आमजन से वार्ता की गयी और उनसे वहां उपस्थित होने का उद्देश्य जाना गया। उन्होंने बताया कि जनपद में चयनित संवदेनशील क्षेत्रों में मजिस्ट्रेटों व पुलिस बलों की तैनाती कर दी गयी है तथा सभी संदिग्ध व्यक्तियों से पूछतांछ की जा रही है। द्वय अधिकारियों ने आमजनमानस से अपील की है कि किसी भी असामाजिक तत्वों के बहकावे में न आये तथा किसी व्यक्ति विशेष या समुदाय द्वारा सौहार्दपूर्ण वातावरण बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा हो तो उसकी जानकारी नजदीकी थाने या उच्च प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल सूचित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से सभी संवेदनशील स्थानों पर पैनी नजर रखी जा रही है तथा प्रशासनिक अधिकारियों व सुरक्षा बलों द्वारा पैदल मार्च कर अपने–अपने नामित क्षेत्रों पर भ्रमण कर शांति व सुरक्षा व्यवस्था को बरकरार रखा जा रहा है।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के जीवन को मिशाल बनाये महिलाएंः डॉ0 सुधा राय

अवध विश्वविद्यालय में वीरांगना दिवस पर आयोजित हुआ वेबिनार

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा शनिवार को मिशन शक्ति के अंतर्गत वीरांगना दिवस के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाईः महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता राजा मोहन गर्ल्स पी०जी० कॉलेज के हिन्दी विभाग की डॉ० सुधा राय रही। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत की भूमि पर न केवल वीरों ने जन्म लिया बल्कि वीरांगनाओं ने भी जन्म लेकर भारत की भूमि को गौरवान्वित किया है जिनमें से महारानी लक्ष्मीबाई का नाम अग्रिम है। महारानी लक्ष्मीबाई का जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा है। भारत देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। डॉ0 सुधा ने बताया कि लक्ष्मीबाई एक ऐसी वीरांगना थी। जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी स्त्री को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रेरित किया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर कोई भी महिला अपने समाज के साथ देश व राष्ट्र का उत्थान कर सकती है। कार्यक्रम में डॉ0 सुधा राय ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई कम उम्र में अपनी प्रतिभाओं का लोहा मनवाया और झांसी की कमान अपने हाथ में ली। इसलिए महिलाएं आज कमजोर नहीं है उसमें असीम शक्तियों का भंडार है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रानी लक्ष्मीबाई के जीवन को मिसाल बनाये। उन्होंने रोचक कविता के माध्यम से रानी लक्ष्मीबाई के संपूर्ण जीवनवृत्त को श्रोताओ के सम्मुख प्रदर्शित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के इस दौर में भला युवतियों और महिलाओं के लिए रानीलक्ष्मीबाई से अधिक बड़ा प्रेरणास्रोत कौन हो सकता है, जिन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले काल में महज 23 साल की आयु में ही अपने राज्य की कमान संभालते हुए अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे।

निष्ठा यादव 96 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में प्रथम और प्रदेश में दसवां स्थान किया हासिल

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शनिवार को दोपहर दो बजे हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। निष्ठा यादव ने अयोध्या जिला की टॉपर रहीं। 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर निष्ठा ने जिले का मान बढ़ाया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय माता– पिता और बड़ी दीदी को दिया है।।

अयोध्या के कौशलपुरी कॉलोनी में निष्ठा यादव पिता राजेंद्र प्रसाद माता किशन देवी और बड़ी बहन निधि के साथ रहती है। वे शहर स्थित कनौसा कांवेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में पढ़ाई करती है। शनिवार दोपहर यूपी बोर्ड के हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही निष्ठा के घर में खुशी की लहर दौड़ी पड़ी। निष्ठा ने 10वीं में प्रथम और प्रदेश में 10 वां स्थान हासिल किया। उन्होंने 10वीं में 600 में 576 अंक प्राप्त किया है। पिता राजेंद्र प्रसाद जिले में सहकारी और पंचायत विभाग में अधिकारी के पोस्ट पर तैनात है। निष्ठा ने इस उपलब्धि का श्रेय माता पिता के साथ बड़ी दीदी और गुरुजनों को दिया है। निष्ठा यादव ने पत्रकारों से खास बातचीत के दौरान बताया कि उनका सपना डाक्टर बनकर समाज की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि इसके लिए वे कठिन मेहनत के साथ पढ़ाई कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मुकाम तक बड़ी दीदी निधि के सहयोग से प्राप्त किया है। निष्ठा ने बताया कि कठिन मेहनत और संकल्प के साथ यदि मेहनत कर पढ़ाई किया जाए तो हर लक्ष्य की प्राप्ति किया जा सकता है। निष्ठा ने हिंदी में 089 / 100 अंग्रेजी में 097 / 100, गणित में 098 / 100, विज्ञान में 097 / 100 सामाजिक विज्ञान में 098 / 100 और कला में 097 / 100 प्राप्त किया है। अयोध्या जिले में यूपी बोर्ड में की 10वीं में 36677 बच्चो ने पंजियन कराया था, जिसमें 34043 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दिया था, इसमें 29183 बच्चों ने 10वीं की परीक्षा पास किया है। जिले का औसत रिजल्ट 85.72 प्रतिशत रहा है। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी बच्चों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन शहर के रसूलाबाद स्थित एनी आलापुर के टी आर डी इंटर कॉलेज के मेधा स्टारों ने कोरोना के विषम परिस्थितियों से जोरदार वापसी करते हुए अपनी चमक बिखेर कर ग्रामीणांचल क्षेत्र में अपना परचम लहराया सबसे बड़े सितारे बने संतोष कुमार ने 92. 33 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में टॉप किया वहीं सुजीता 90.5प्रतिशत समर यादव 90प्रतिशत दिवाकर यादव 87. 6प्रतिशत निधि पांडेय 87प्रतिशत प्रतिभा एवं विशाल साहू 86प्रतिशत के साथ अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करते हुए टीआरडी इंटर कॉलेज व अपने माता–पिता के गौरवान्वित किया है विद्यालय परिवार के सभी सफल अभ्यर्थियों को शुभकामना देते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरेंद्र मणि त्रिपाठी एवं प्रबंधक अजय दुबे ने भी मेधा स्टारों को माला पहना कर मिठाई खिलाते उनकी प्रतिभा का सम्मान किया।

बारून बाजार अयोध्या में संचालित ओ एन एकेडमी विद्यालय शिक्षा के नए आयाम स्थापित कर रहा है यहां पर हाई स्कूल परीक्षा में विद्यालय के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया जिसमें सेजल चौरसिया पुत्री रमेश चौरसिया ने जहां 86 प्रतिशत अंक प्राप्त किया वहीं पर सौम्या साहू पुत्री रमेश साहू ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किया वही बहुत सारे छात्र छात्राओं ने 80: से अधिक अंक प्राप्त कर अपने माता–पिता का नाम रोशन किया इनकी सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक धर्मपाल पाण्डेय ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर विद्यालय शिक्षक रविंद्र पांडेय विद्यालय शिक्षक मिथिलेश मिश्रा अवंतिका श्रीवास्तव शकुंतला मौर्या प्रतिमा तिवारी आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

अमृत योग सप्ताह के अंतर्गत गोष्ठी का आयोजन

मखौड़ा संदेश परशुरामपुर संवाददाता।

परशुरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य परशुरामपुर परिसर में अमृत योग सप्ताह को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी चंद्रमौली त्रिपाठी ने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुये बताया कि निरोगी काया की पहली सीढ़ी योग है । जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को स्वस्थ एवं चुस्त दुरुस्त रख सकता है । ऐसे में व्यक्ति के लिए योग आवश्यक है। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भास्कर यादव , स्वास्थ शिक्षा अधिकारी दिवाकर चौधरी , डॉक्टर डिंपल वर्मा , खंड शिक्षा अधिकारी राम सुयश वर्मा , रितेश सिंह , श्वेतांक सिंह , दीपक कृपा शंकर पांडेय , श्रीकांत , आशुतोष , विजय शंकर पांडेय , ममता सहित स्वास्थ्य कर्मी व अन्य लोग मौजूद रहे।

मखौड़ा संदेश
हिन्दी दैनिक

मखौड़ा संदेश के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक माता प्रसाद पाण्डेय द्वारा मीडिया प्रिन्टर्स, काली मंदिर कैम्पस, रेलवे स्टेशन रोड, जिला–बस्ती (उ0प्र0) से मुद्रित एवं ग्रा0–जमौलिया पाण्डेय, पो0–सिकंदरपुर, जिला–बस्ती (उ0प्र0)–272129 से प्रकाशित।

सम्पादक
विकास पाण्डेय

मो0 : 9918167159, 9026880094
Email:
makhaurasandesh@gmail-com

❐पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचार पत्रों के चयन के लिए उत्तरदायी इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद बस्ती न्यायालय होगा।

ब्यूरो कार्यालय अयोध्या
श्री सीतारामीय सेवा मन्दिरम् निकट - गुरुद्वारा नजरबाग, अयोध्या जी उ.प्र. -224123 मो0 : 9026880094